भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

(खेल विभाग)

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 57

उत्तर देने की तारीख 4 फरवरी, 2021

15 माघ, 1942 (शक)

खेलों में ग्रामीण युवाओं की भागीदारी

***57. साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुरः**

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का भोपाल, मध्य प्रदेश सहित देशभर में ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब परिवारों के युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का खेलों में ग्रामीण युवाओं की भागीदारी बढ़ाने हेतु नई योजनाएं बनाने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री किरेन रीजीजू)

(क) से (घ) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

****

खेलों में ग्रामीण युवाओं की भागीदारी के संबंध में साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, माननीय संसद सदस्य, लोक सभा द्वारा दिनांक 4.02.2021 के लिए पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 57 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण ।

(क) जी हां । "खेलो इंडिया - राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम" को देशभर में खेलों में व्यापक जन सहभागिता और उत्कृष्टता के संवर्धन के युग्मित उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संपूर्ण खेल इकोसिस्टम को मजबूत करने के उद्देश्य से अक्तूबर, 2017 में शुरू किया गया था । खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब परिवारों के युवाओं सहित देश के युवाओं में खेलों को विस्तृत आधार प्रदान करने पर बल दिया गया है ।

(ख) से (घ) : भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) 8-25 वर्ष के आयु समूह में प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान करने और पोषित करने के लिए देशभर में निम्नलिखित खेल संवर्धन स्कीमें कार्यान्वित कर रहा है ताकि ये खिलाड़ी राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें :

- राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई)
- साई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी)
- एसटीसी के विस्तार केंद्र
- राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता (एनएसटीसी)

  (इसकी उप-स्कीमें - नियमित स्कूल, आईजीएमए और अखाड़े)

वर्तमान में इन स्कीमों के अंतर्गत 10307 प्रतिभावान खिलाड़ियों (6252 लड़के और 4055 लड़कियां) को आवासीय और गैर-आवासीय आधार पर प्रशिक्षित किया जा रहा है ।

i) खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत 21 खेल विधाओं नामत: तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबाल, मुक्केबाजी, साइक्लिंग, फेंसिंग, फुटबाल, जिम्नास्टिक्स, हाकी, जूडो, कबड्डी, खो-खो, रोइंग, निशानेबाजी, तैराकी, टेबल-टेनिस, वालीबॉल, भारोत्तोलन और कुश्ती तथा पैरा खेलों में पूरे देश के जनजातीय, ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों से खिलाड़ियों का चयन किया जाता है । वर्तमान में इस स्कीम के अंतर्गत 2947 खिलाड़ियों को सहायता दी जा रही है ।

ii) 60 साई विस्तार केंद्रों सहित 106 केंद्रों को खेलो इंडिया केंद्र (केआईसी) के रूप में घोषित किया गया है ।

iii) कुल 232 अकादमियों को खेलो इंडिया एथलीट (केआईए) के प्रशिक्षण के लिए प्रत्यायित किया गया है ।

साई खेल संवर्धन स्कीमों और खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत अभिज्ञात और प्रशिक्षित अधिकांश खिलाड़ी देश के ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब परिवारों से हैं ।

****